FRHS INDIA
Children by choice, not chance

बिहार में
एफआरएचएस इंडिया

फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया) ने बिहार में चार जिलों से शुरूआत कर वर्ष 2013 में, परिवार नियोजन संबंधी सेवाएं प्रदान करना शुरू किया था एवं तब से ही राज्य सरकार के साथ मिलकर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों के बीच किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने का लगातार प्रयास कर रहा है। वर्तमान में, हम राज्य के 20 जिलों में स्थित 404 सरकारी केंद्रों पर 4.88 करोड़ (48.8 मिलियन) लोगों तक परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

वर्ष 2020 में, देशबंदी के बाद 25 मार्च से ही कई निजी एवं एनजीओ हेल्थकेयर प्रदाताओं ने अप्रैल में अपनी सेवाएं बंद कर दी। साथ ही, यातायात पर लगे प्रतिबंधों की वजह से बिहार में सुरक्षित एबोर्शन एवं परिवार नियोजन सेवाओं तक लोगों की पहुंच काफी कम हो गई।

हमारी 'पॉलिसी ब्रिफ ऑन इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन फैमिली प्लानिंग' के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया था कि महामारी के दौरान 1,331,240 क्लाइंट को गर्भनिरोधक सेवाएं प्राप्त करने में कठिनाई होंगी जिसकी वजह से 164,319 अनचाहे गर्भ, 57,654 असुरक्षित एबोर्शन एवं 120 मातृ मृत्यु (मेटरनल डेथ) होने की संभावना है। हमारी वकालत से जुड़े प्रयासों के कारण सुरक्षित एबोर्शन को देशबंदी के समय 'आवश्यक सेवा' की सूची में शामिल किया गया जिससे राज्य में हमारे क्लाइंट को सेवाएं लेने में मदद मिली। काफी रूकावटों के बावजूद भी, वर्ष 2020 में हमने बिहार में 12 क्लिनिकल आउटरीच टीमें एवं 2 क्लिनिक्स के माध्यम से, 55,660 क्लाइंट को सेवाएं प्रदान की।

बिहार में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के सूचक

01 टोटल फर्टिलिटी रेट

बिहार		राष्ट्रीय
3.4%	>	2.2%

02 गर्भनिरोधक के लिए कुल अनमेट नीड
(स्पेसिंग के लिए अनमेट नीडः 9.4%
एवं लिमिटिंग के लिए अनमेट नीडः 11.8%)

बिहार		राष्ट्रीय
21.2%	>	12.9%

03 आधुनिक गर्भनिरोधक की प्रचलित दर

बिहार		राष्ट्रीय
23.3%	<	47.8%

***Source:** International Institute for Population Sciences (IIPS) and ICF. 2017. National Family Health Survey (NFHS-4), 2015-16: India. Mumbai: IIPS.

हमारे सर्विस डिलीवरी चैनल्स

क्लिनिकल आउटरीच टीम (COT)

COT प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारियों की टीम है जो सरकारी केंद्रों पर परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सलाह और सेवाएं (स्पेसिंग, लांग–एक्टींग रीवर्सिबल मेथड एवं स्थायी मेथड) प्रदान करती है।

मिनी-क्लिनिकल आउटरीच टीम (मिनी-कौट)

मिनी–कौट युवक एवं युवतियों को घर के आस–पास ही परिवार नियोजन संबंधी जानकारी, सलाह एवं सेवाएं (स्पेसिंग एवं लांग–एक्टींग रीवर्सिबल मेथड) प्रदान करती है।

फैमिली हेल्थ सेंटर्स/क्लिनिक्स

फैमिली हेल्थ सेंटर्स/क्लिनिक्स वन स्टॉप सेंटर के रूप में गया एवं सहरसा में परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवा संबंधी सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराते हैं। साथ ही, सुरक्षित एबोर्शन की सेवाएं भी किफायती दरों पर उपलब्ध हैं।

हमारे क्लाइंट एवं उनके अनुभव

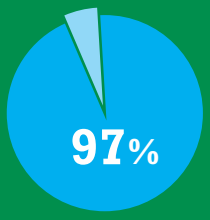

क्लाइंट अपने अनुभवों से **संतुष्ट** थे

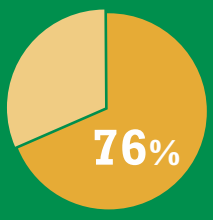

क्लाइंट जिन्हें विश्वास है की **एफआरएचएस इंडिया** ने उनकी उम्मीदों से बढ़कर कार्य किया

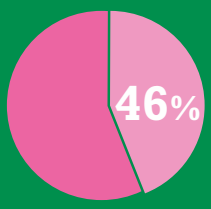

क्लाइंट जिन्होंने कभी **परिवार नियोजन** के तरीकें अपनाए ही नहीं

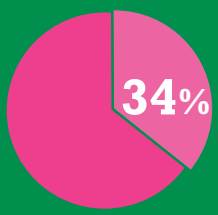

क्लाइंट जिनके पास गर्भनिरोधक विधियों के लिए कोई **अन्य प्रदाता उपलब्ध** नहीं थे

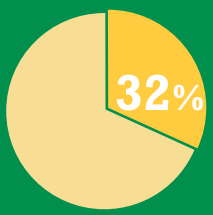

क्लाइंट जो **अत्यधिक गरीबी** में जी रहे हैं

क्लाइंट को 2020 में उपलब्ध कराई गई सेवाएं

50,156
महिलाओं को नसबंदी की सेवा प्रदान की

5,126
महिलाओं को कॉपर टी सेवा प्रदान की

2020 में हमारे प्रभाव

673,209
कपल इयर्स ऑफ प्रोटेक्शन

28,711
अनचाहे गर्भ रोके

10,107
असुरक्षित एबोर्शन रोके

21
मातृ मृत्य रोकीं

क्लाइंट की सेवा के लिए हर मुश्किल पार करना

24 फरवरी, 2020 को, हमारी क्लाइंट कृष्णा (नाम बदल दिया) ने अपनी सफलतापूर्वक कराई गई नसबंदी प्रक्रिया में संदेह व्यक्त किया। यह संदेह उसे इसलिए हुआ क्योंकि उसे पिछले 45 दिनों से पीरीयड्स नहीं हो रहे थे। जैसे ही हमारी काउंसलर, निशा (नाम बदल दिया) को कृष्णा के संदेह के बारे में पता चला, उसने तुरंत उसे गर्भावस्था जाँच कराने की सलाह दी। जब कृष्णा ने यह जाँच कराई तो परिणाम सकारात्मक निकले। निशा ने कृष्णा की अवस्था के बारे में अपने क्लिनिकल टीम को बताया तो उन्होंने अल्ट्रासाउंड कराने का सुझाव दिया।

23 मार्च को हमारे COT टीम के सदस्य अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कृष्णा के घर गए। लेकिन उसके जिले में कोई अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध न होने की वजह से 70 किमी दूर यात्रा कर कृष्णा का अल्ट्रासाउंड कराया गया जिससे यह पता चला कि वह 9 हफ्ते एवं 4 दिनों से गर्भवती थी।

जब तक कृष्णा ने यह तय किया कि वह एबोर्शन कराना चाहती है तब तक देशबंदी हो चुकी थी और सबसे निकट स्थित क्लिनिक भी 250 किमी दूर था।

जैसे ही सरकार द्वारा एबोर्शन सेवाओं को पुनः शुरू करने की मंजूरी मिली, हमारे COT टीम के सदस्य कृष्णा और उसके पति को लेकर सबसे निकटतम क्लिनिक पहुंचे और उसे सुरक्षित एबोर्शन के साथ कॉपर टी की सेवा भी प्रदान की। क्लाइंट ने एफआरएचएस इंडिया टीम की अपने क्लाइंट के प्रति ज़िम्मेदारी और अटल निष्ठा के लिए अत्यंत आभार व्यक्त किया है और अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है।

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@frhsi.org.in | फोनः 0612 – 2270228
राज्य कार्यालयः दूसरी मंज़िल, हाउस नं. – 18ए, रूबन अस्पताल के पास, पाटलीपुत्र कॉलोनी, पटना – 800013, बिहार
मुख्यालयः बी–37, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली – 110049 | फोनः +91 11 49840000 | वेबसाइटः www.frhsi.org.in
हमें फॉलो करें: @FoundationforReproHealthServicesIndia | Foundation for Reproductive Health Services India